Kendra, Delhi. The inclusion of these items in the news bulletins is, however dependent upon their newsworthiness and their being in accordance with guidelines. The focus in the news coverage is on the importance of the events and not on the individuals.

T.V. Station at Bhopal

3966. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI B.L. PANWAR:
SHRI CHHOTUBHAI PATEL:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a regular T.V. Station has been set up at Bhopal; and

(b) if so, how many programmes it has made or telecast so far since its inception?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (KUMARI GIRIJA VYAS): (a) and (b) Installation works pertaining to establishment of a fullfledged TV studio Centre at Bhopal have been completed. Production and telecast of programmes from this Centre would however, commence on commissioning of the Centre after the requisite manpower for programme production is in position.

Cine Artiste Welfare Fund

3967. SHRI CHATURANAN MISHRA:
SHRI GURUDAS DAS GUPTA:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Cine Artiste Welfare Fund was constituted in 1986 by an Act passed by the Parliament;

(b) if so, the details of the Fund collected so far and how it has been spent;

(c) whether the Information and Broadcasting Ministry has handed over the Cess amount collected by them to the Fund; and

(d) if so, the details thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (KUMARI GIRIJA VYAS): (a) No, Sir. However, a fund under the title Cine Artistes Welfare Fund of India has been created by National Film Development Corporation (NFDC) in June 1990. This is a Trust created for the venefit of Cine Artistes.

(b) to (d) Under the Cine Artistes Welfare Fund, except an amount of Rs. 10,000/- contributed by National Film Development Corporation (NFDC), no amount is available.

राजीव न्यास के लिए सरकारी माध्यम

3968. **श्री राम जेठ मलानी :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन :
श्री एन० ई० बलराम :
श्री चतुरानन मिश्र :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 19 फरवरी, 1992 के इंडियन एक्सप्रेस में "गवर्नमेंट एक्ट्स एज कन्द्यूट फॉर राजीव ट्रस्ट शीर्षक के अधीन प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) क्या यह सच है कि राजीव न्यास के लिए अंशदान एकत्र करने के लिए विभिन्न सरकारी विभागों को पत्र भेजे गये थे;

(ग) यदि हां, तो इस तरह से कितनी धनराशि एकत्र की गयी है; और

(घ) क्या सरकार ने किसी अन्य निजी न्यास के लिए अंशदान एकत्र करने के लिए पहले कभी ऐसे प्रयास किये थे ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप मंत्री (कु० गिरिजा व्यास) : (क) जी, हां।

(ख) जी, नहीं। तथापि राजीव गांधी फाउन्डेशन के श्री एम. रंगोला आई. एफ. एस. (सेवानिवृत्त) से मंत्रालय को एक पत्र प्राप्त हुआ था, जिसमें राजीव गांधी फाउन्डेशन के

लिए अंशदान देने की अपील की गयी थी। इस पत्र को केवल माध्यम एककों और मंत्रालय के मुख्य सचिवालय के अधिकारियों/अनुभागों के नाम सूचनार्थ और आवश्यक कार्रवाई के लिए परिचालित किया गया था। इस पर कोई अनुवर्ती कार्रवाई नहीं की गयी।

(ग) यह सवाल पैदा ही नहीं होता।

(घ) सूचना और प्रसारण मंत्रालय को ऐसे किसी संग्रह की जानकारी नहीं है।

Advertisements to Star T.V.

3969. KUMARI SAYEEDA KHATUN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news report which appeared in the Hindustan Times of 20th February, 1992 under the caption "Indian ads. Worth $3 million is going to Star T.V.", if so what steps Government are taking to stop it; and

(b) what are its implications on Doordarshan?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (KUMARI GIRIJA VYAS): (a) and (b) The said news items only refers to 'Star TV getting advertisements from countries other than India. This has no bearing on Doordarshan nor is any action called for in this matter by the Government.

पैन-एशियन कंपनी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय उपग्रह नेटवर्क शुरु किया जाना

3970. **कुमारी सईदा खातून**: क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पैन-एशियन कम्पनी ने 14 अक्तूबर, 1991 को बी. बी. सी. वर्ल्ड सर्विस टेलीविजन के अन्तर्गत दिल्ली, हांगकांग, न्यूयार्क, लन्दन और सात अन्य एशियाई देशों की राजधानियों को जोड़ने वाला अन्तर्राष्ट्रीय उपग्रह नेटवर्क शुरू किया है; और

(ख) क्या सरकार दूरदर्शन की विदेश सेवा शुरू करने का विचार रखती है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप मंत्री (कु० गिरिजा व्यास): (क) बी० बी० सी० ने एशियासेट उपग्रह का इस्तेमाल करते हुए विश्व सेवा शुरू की है। दिल्ली हांग कांग, न्यूयार्क, लंदन तथा सात अन्य एशियाई देशों की राजधानियों को जोड़े जाने की उनकी योजना की सरकार को कोई जानकारी नहीं है।

(ख) जी, नहीं। तथापि, भारत के अंदर उपग्रह के जरिए ज्यादा क्षेत्र को कवर करने के लिए दूरदर्शन कार्यक्रमों के विस्तार से पड़ौसी देशों में भी कार्यक्रमों की पहुंच हो जाती है जहां उपयुक्त डिश एन्टीना से टेलीविजन पर कार्यक्रम प्राप्त किए जा सकते हैं।

भारत के विरुद्ध अधिप्रचार के लिए पाकिस्तान द्वारा विश्व बैंक कोष का उपयोग किया जाना

3971. **श्रीमती सुषमा स्वराज**: क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पाकिस्तान अपने टेलीविजन के जरिए भारत के विरुद्ध अधिप्रचार करने के व्यय को वहन करने के लिए विश्व बैंक कोष का उपयोग कर रहा है;

(ख) क्या सरकार ने इस मामले को विश्व बैंक के साथ उठाया है; यदि हां, तो उसके क्या परिणाम रहे हैं; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?